नया फ्लू वायरस प्रकट हुआ है

चीन में कम से कम दो स्थानों पर एक नया फ्लू वायरस देखा गया है। बीजिंग और हेनान प्रांत में देखे गए इस वायरस को एच7एन9 नाम दिया गया है और माना जा रहा है कि यह पहले आए एच5एन1 पक्षी वायरस के बराबर खतरनाक हो सकता है। इससे पहले यह सिर्फ शंघाई तक सीमित था। अब तक चीन में इस वायरस संक्रमण के 63 मामले रिपोर्ट हुए हैं, जिनमें से 12 की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि पहला मामला 31 मार्च को रिपोर्ट किया गया था।

फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि क्या यह सिर्फ पक्षियों से इंसानों में आता है या एक इंसान से दूसरे इंसान में भी जा सकता है मगर चीन के स्वास्थ्य अधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं।

बीजिंग के नगर पालिका स्वास्थ्य विभाग ने घोषणा की है कि कम से कम एक मामले में ऐसा लगता है कि एच7एन9 सीधे इंसान से इंसान में पहुंच सकता है। इस वायरस की दो विशेषताएं हैं जो इसे बड़ी चिंता का कारण बना सकती हैं। पहली यह है कि कई इंसानों में इसके संक्रमण के बाद भी शायद कोई लक्षण पैदा न हों, या शायद बहुत हल्के लक्षण पैदा हों। ऐसे में इसके फैलाव के बारे में कोई भविष्यवाणी करना मुश्किल साबित होगा। इसका यह भी मतलब निकलता है कि जितने मामलों की रिपोर्टिंग हुई है, वास्तविक संख्या उससे कहीं ज़्यादा हो सकती है।

दूसरी विशेषता यह है कि एच7एन9 पक्षियों और जानवरों में कोई रोग पैदा नहीं करता। इसकी वजह से इस वायरस के स्रोत का पता लगाना या उस पर नियंत्रण करना संभव नहीं होगा। इससे पहले जो वायरस, प्रकट हुए थे, उनमें इंसानों पर प्रकोप से पूर्व पक्षियों में महामारी नज़र आती थी। इस बार शायद ऐसा न हो।

अभी तक चीन से बाहर एच7एन9 संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है मगर रोग प्रसार का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों का मत है कि इस संदर्भ में काफी सावधानी बरतने की ज़रूरत है क्योंकि पक्षियों (खासकर मुर्गियों) का व्यापार काफी फैला हुआ है और इसके ज़रिए वायरस को फैलते देर नहीं लगेगी। इसलिए न सिर्फ पड़ोसी देशों बल्कि दूर स्थित देशों को भी चेतावनी दी गई है।

वायरस के जिनेटिक विश्लेषण से पता चला है कि इसमें ऐसे कई म्यूटेशन हुए हैं जो इसे इंसानों को संक्रमित करने में दक्ष बनाते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***